VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन घंटे***
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड / Test Code : 2488

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0333326

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Vijendra Kumar

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

तारीख
Date
25/Aug/23

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre
Jaipur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING . INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

It is easier to build strong children than to repair broken men.

कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

VisionIAS

खण्ड – A / SECTION – A

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखन चाहिए
Candida must no write on this mar

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

   It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

   A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

   Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

   History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

A – (1)

द्वितीय विश्व की तबाही ने यूरोप की औद्योगिक क्रांति की सफलता पर निर्भित देशों को ~~के~~ तोड़ कर रख दिया जिसके चलते सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्तर पर भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा। यूरोप ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद औ नयें विकल्प के रूप में राजनीतिक क्षेत्र ~~से~~

VisionIAS

मजबूत बच्चे के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को अपनाया जिसके चलते आज यूरोप एक मजबूत यूरोपीयन यूनियन के रास्ते समृद्धि के स्तर पर खड़ा हुआ है जबकि वयस्क व्यवस्था का विकल्प साम्राज्यवाद, तानाशाही आदि के पुनर्निर्माण का विकल्प निश्चित रूप से छोड़कर यूरोप ने अपने आप को विकसित, शांति एवं समृद्ध व्यवस्था की ओर उन्मुख किया है।

यहाँ टूटे वयस्क की मरम्मत को हम सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में देख सकते हैं जैसे सामाजिक क्षेत्र में जाति, वर्ण, रूढ़ीवाद के स्थान पर समतामूलक व्यवस्था का प्रतिनिधित्व जबकि मजबूत बच्चों का निर्माण से आशय नये विकल्पों पर अधिक बल देना और पुराने विकल्पों का त्याग कर देना। अब हम

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

देखेगे कि टूटे हुए व्यस्क की मरम्मत की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना कैसे आसान है?

यदि हम सामाजिक क्षेत्र की तरफ दृष्टि डाले तो आज समाज में जाति, वर्ण, लिंग आदि के आधार पर भेदभावों की व्यापक समस्या बनी हुई है जिसमें भक्तिकाल की धारा से लेकर वर्तमान संविधान के शासन तक की व्यवस्था ने सुधारों की दिशा में कार्य किया है किन्तु जब हम समाज में देखते है तो आज भी दलितों पर अत्याचार, महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा, पितृसत्तात्मक व्यवस्था का शोषण विद्यमान नजर आता है। यदि हमने सुधारों के स्थान पर व्यवस्था का पुनःनिर्माण करके समाज को नवीन व्यवस्था में ढाला होता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

तो समाज में सामाजिक न्याय, समानता के साथ नये समाज का निर्माण कर पाना आसान रहा।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में हमारी व्यवस्था में निरन्तर सुधारों के प्रयास किये गये है किन्तु हमने स्वास्थ्य के महत्व, शारीरिक शिक्षा, सार्वभौम बीमा प्रणाली एवं आधारभूत शिक्षा की मजबूती के साथ बच्चों के विकास पर बल दिये होते तो व्यस्क दाचे की तुलना में तीव्र बदलाव का प्रभाव देखने को मिलता।

वहीं हम आर्थिक जीवन के क्षेत्र में देखते है तो आज हम आत्मनिर्भर की बंद व्यवस्था के स्थान पर 1991 से नवीन व्यवस्था जिसके उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं निजीकरण की धारा को अपनाकर मजबूत आर्थिक परिदृश्य का निर्माण करने में सफल

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों के इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रहे हैं जिसके चलते प्रति व्यक्ति आय, वैश्विक व्यापार, निवेश, आधारभूत ढाँचा निर्माण आदि में व्यापक उन्नति हुई है। यह उन्नति तब ही संभव हो पाई है जब हमने 1947 के बाद की व्यवस्था के स्थान पर 1991 में नये विकल्पों को अपनाया है।

इसी प्रकार हम राजनीतिक क्षेत्र में देखें तो अमेरिका क्रांति के बाद लोकतंत्र का नया विकल्प ने विश्व इतिहास में क्रांति का कार्य किया जबकि वास्तविक स्तर पर फ्रांस की क्रांति राजा के माध्यम से सुधारों के लिए प्रयासरत थी जिसके चलते चलते राजसियत जैसा लेवायथन एवं नेपोलियन जैसा साम्राज्यवादी शासक को जन्म दिया

VisionIAS

ना कि क्रांति के आदर्शों स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुत्व पर आधारित नवीन व्यवस्था का निर्माण किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यदि हम विश्व में वैदेशिक सम्बन्धों की तरफ नजर डाले तो प्रथम विश्व युद्ध के बाद निर्मित राष्ट्र संघ का त्याग करके नवीन व्यवस्था का विकल्प संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण किया, जिससे पूरे विश्व में शांति सुरक्षा को मजबूती प्राप्त हुई।

इसी प्रकार विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में पुरानी तकनियों के निर्माण एवं मरम्मत के स्थान पर नवीन नवोन्मेष, अनुसंधानों के रास्ते नये निर्माण के विकास पर बल

VisionIAS

दिया गया जिसके चलते ज्ञान विज्ञान में A.I तकनीकी, बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोट, मशीन लर्निंग आदि तकनीकों के आधार पर औद्योगिक क्रांति 4.0 की शुरुआत हो रही है जो पुरातन उत्पादन व्यवस्था के स्थान पर औद्योगिक उत्पादन के ढांचे को मजबूत बनाने का कार्य करेगी और विश्व में आर्थिक प्रतिमानों को मजबूती से निर्मित करेगी।

किन्तु यदि हम सिक्के का दूसरा पहलू देखने का प्रयास करते है तो क्या यह सार्वभौम सत्य है कि टूटे हुए वस्तुओं की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

बच्चों का निर्माण करना आसान है?

यदि हम सामाजिक क्षेत्र में ही देखे कि बच्चों के जीवन में समस्या, चुनौती, अप्रगतिशीलता आ जाती है और समाज निर्माण में उनकी उपेक्षा करके मजबूत बच्चों पर ध्यान देने से समाज में उत्तरदायित्वहीन दायित्व में वृद्धि होगी जिसके अतिरिक्त अवसाद, तनाव एवं अशांति की व्यवस्था निर्मित हो सकती है।

वहीं हम राजनीतिक जीवन में व्यवस्था में दोष होने पर व्यवस्था सुधार नहीं करके व्यवस्था को बदलने का नया विकल्प लेकर आते है तो अव्यवस्था, तानाशाही की स्थिति भी देखी जा सकती है जैसाकि हमने पश्चिमी एशियाई एवं अफ्रीकी राष्ट्रों में देखा है।

यदि हम आर्थिक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

क्षेत्र में सुधार एवं मरम्मत पर आधारित चक्रीय अर्थव्यवस्था के स्थान पर यूज एंड थ्रो वाली अर्थव्यवस्था को अपनाएंगे तो संसाधनों का दोहन - प्रदूषण, अपशिष्ट आदि को बढ़ावा मिलेगा जिससे नयी व्यवस्था लाभप्रद नहीं रह पाएगी।

इस प्रकार जीवन के सभी क्षेत्रों में देखे तो हम पाते है कि एक तरफ बुद्ध द्वारा धार्मिक क्षेत्र के साथ आर्थिक-सामाजिक जीवन में भी सुधारों पर आधारित नवीन व्यवस्था का निर्माण किया वही भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में गाँधीजी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में नवीन तत्वों का समावेश जैसे सत्याग्रह, अहिंसा, असहयोग आदि के चलते स्वतंत्रता के रूप में नवीन भारत का निर्माण करने सुधारों की धारा को अपनाया।

आज भारतीय संविधान में भी संविधान निर्माताओं ने संशोधन की व्यवस्था के रूप में सुधारों, परिमार्जन का विकल्प प्रदान किया जिसके चलते संविधान मजबूती के साथ व्यवस्थाओं का निर्देशन कर रहा है।

किन्तु हमें यहाँ यह ध्यान रखना आवश्यक है जैसेकि विवेकानन्द ने कहा कि "एक वृक्ष का भविष्य उसके बीजों में होता है" अर्थात् हमें निरन्तर नवीन तत्वों को

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बढ़ावा देना होगा जिसमें विज्ञान के क्षेत्र के अन्वेषण एवं अनुसंधानों से चाहे इसरो का चन्द्रयान-2 की सफलता हो या कोविड-19 से लड़ाई में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण हो। वहीं राजनीतिक लोकतांत्रिक क्षेत्र में भी चुनाव सुधार जैसे विकल्पों को करता रहना होगा जिनमें की बेहतर लोकतंत्र एवं व्यवस्था में सुधारों के राष्ट्र की जड़े मजबूत बन सके।

कुल मिलाकर हमें ऐसी व्यवस्था का निर्माण पर बल देना होगा जो न केवल सरकों में आत्मविश्वास, साहस एवं बोनमेस

VisionIAS

को पैदा करे बल्कि बच्चों में भी नवीनता, स्वास्थ्य समृद्धि, पोषण, ज्ञान, नैतिकता आदि को बढ़ावा दे। क्योंकि आज वर्तमान विश्व की समस्याओं का समाधान पुर्नचक्रीय ~~भय~~ जीवनशैली एवं नवीन खोजो में ही दिखाई देता है जिसके लिए SDG जैसे लक्ष्य हमने अपने सामने ~~रख~~ रखे है जिनके मध्य समन्वयन एवं सन्तुलन की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - B (8)

" नर हो न निराश करो मन को
कुछ काम करो कुछ काम करो
जग में रहकर कुछ नाम करो "

कवि की इन पंक्तियों पर यदि नजर डालें तो पाते है कि मनुष्य जीवन है तो निराशा का कोई स्थान नही है, विपरीत परिस्थितियों में भी संसार में रहकर कार्य करते रहने चाहिए। जब हम सकारात्मकता कि दृष्टि

VisionIAS

में देखते है तो हमें निराशा का परिदृश्य समाप्त हो जाता है।

इसी प्रकार अपना चेहरा रोशनी की ओर रखने का आशय है कि अच्छाईयों, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं भावों को मनुष्य को अपनाने से है जिसके चलते छाया रूपी अंधकार, नकारात्मकता, बुराईयाँ एवं समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा और सबका समाधान हो जाएगा।

यदि हम चेहरा रोशनी की तरफ रखते है और छाया को नहीं देखते है तो क्या छाया अर्थात् समस्याऐं समाप्त हो जाएगी? सवाल उठता है कि बिना छाया के ज्ञान के रोशनी का प्रकाश कितना सफलदायक है?

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

यदि हम महाभारत के पात्र अर्जुन की वीरतांगी की बात करें तो अर्जुन का लक्ष्य चिड़िया की आंख रूपी रोशनी था जिसको भेदने में अर्जुन को समस्या नहीं थी क्योंकि उनका लक्ष्य स्पष्ट था।

वहीं हम आज सामाजिक क्षेत्र में सतत् विकास लक्ष्यों, लैंगिक सशक्तीकरण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य आदि के उच्च प्रतिमानों को पाने का अपना लक्ष्य रखे तो कुपोषण, लैंगिक हिंसा, अशिक्षा, गरीबी जैसी समस्याएँ समाप्त हो पायेगी जिससे समाज में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी, साक्षरता दर में वृद्धि एवं जीवन प्रत्याशा का स्तर भी उच्चा उठ पाएगा।

VisionIAS

कृषि क्षेत्र में भी हम कृषि सुधारों को बढ़ावा दे तो कृषि में व्याप्त समस्याऐं जैसे उच्च लागत, खाद्यान्न कुप्रबंधन, मूल्यों की प्राप्ति नहीं होना आदि से मुक्ति मिल सकती है जिसके लिए हमे सुधारों को गतिशील एवं कृषक उन्मुख बनाने की आवश्यकता है।

जिस तरह से आज विश्व के सामने जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय अवनयन की समस्यां पैदा हुई है, ये उन्मुक्त एवं सुधार प्रयासों के लिए IPCC की पहल, कोप सम्मेलन के प्रयासों, कियोटो प्रोटोकोल आदि के रास्ते विश्व सकारात्मक पहलो के रूप में UNDC आदि लक्ष्यों पर बल

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS
www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दे रहा है और समस्याओं के अंधकार रूपी भविष्य का निदान का प्रयास कर रहा है।

इसके अतिरिक्त राजनीतिक क्षेत्र में भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में गाँधीजी ने विभिन्न समस्याओं, रुकावटों के बीच संघर्ष-समझौता-संघर्ष की रणनीति से आशावादी लक्ष्य को साध्य रखा और आगाज़ के रूप में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रोशनी को जगमगाया। आज भी भारतीय राजनीति में समय-समय पर होने वाले सुधार रोशनी की ज्वाला को प्रकट करते है जिसमे पंचायतीराज प्रणाली की व्यवस्था ने लोकतंत्र को समकृत बनाया है।

VisionIAS

इसी प्रकार से हम विज्ञान तकनीकी के क्षेत्र में देखते है कि चन्द्रयान-2 की आंशिक विफलता के बाद भी इसरों के हमारे वैज्ञानिकों ने रोशनी रूपी विश्वास, सकारात्मकता को नहीं छोड़ा और चन्द्रयान-3 की चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग के रूप में चन्द्रमा की छाया को भी समाप्त कर दिया। वहीं कोविड-19 के के दौरान अल्प समय में करोड़ो लोगों के लिए वैक्सिन निर्माण का कार्य दवा कम्पनियों एवं अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किया गया जो निश्चित ही सकारात्मक प्रेरणा एवं विश्वास का प्रतिफल था और कोविड-19 की समस्याओं से निजात दिलाने का कार्य किया।

यदि हम ऐतिहासिक स्तर पर देखे तो द्वितीय विश्व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

युद्ध के बाद चाहे हम यूरोप का पुनर्निर्माण को देखे या अफ्रीकी नस्लभेद की मुक्ति में नेलसन मंडेला के प्रयासों को देखे सकारात्मक, अच्छाईयों की तरफ दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करते है जिन्होने युद्धों एवं शोषण के स्थान पर शांति एवं समतावादी व्यवस्था को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

किन्तु सवाल उठता है कि क्या चेहरा रोशनी की तरफ करने से छाया रूपी समस्याऐं स्वत: समाप्त हो जाती है? क्या छाया की उपेक्षा करके रोशनी का अनुसरण करना उचित है?

यदि हम उपर्युक्त सवालों के जवाब ढूंढने का प्रयास करें तो पाते है कि निश्चित तौर

www.visionias.in

पर रोशनी रूपी सकारात्मकता, अच्छाई, सुधारात्मक दृष्टिकोण किसी भी बदलाव के लिए आवश्यक मूल तत्व है किन्तु बदलाव से पूर्व हमें छाया रूपी समस्याओं, बुराईयों एवं नकारात्मक दृष्टिकोण का ध्यान रखना आवश्यक है जिससे की उनके अनुकूल सुधारों की व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके न कि केवल रोशनी की तरह अच्छाईयों रूपी प्रकाश को देखे और समाज में व्याप्त गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, पर्यावरणीय समस्याओं, नैतिक पतन आदि की उपेक्षा करने का प्रयास करे।

हम तब ही सामाजिक क्षेत्र की समस्याओं का निदान कर पायेंगे जब हमारे पास उनका ज्ञान,

www.visionias.in
उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

ध्यान होगा। यदि समस्याओं की उपेक्षा की जाती है तो समाज में समस्याएँ और अधिक विकराल रूप धारण कर सकती हैं। अतः जैसाकि यहाँ अशोक ने धम्मनीति के रास्ते युद्ध की समस्या का समाधान करने का प्रयास किया वहीं रोशनी की उपेक्षा यूरोप ने 20वीं सदी के आरम्भ में की जिसके चलते उसे दो विश्वयुद्धों के अंधकार की त्रासदी का सामना करना पड़ा।

इसके विपरीत हम जब रोशनी के सुखद वातावरण के बजाए देखते हैं जैसे आज भारत में कुपोषण का उच्च स्तर हो या नगरों की कच्ची बस्तियों की समस्या

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

निश्चित रूप से रोशनी के प्रकाश में ही दिखाई देने वाली समस्याएँ है जो निरन्तर विकराल रूप धारण करती जा रही है। इसी रोशनी के विस्तार को हम उपर्युक्त पंक्तियों के माध्यम से देखे तो कवि जयशंकर प्रसाद कहते है कि —

"औरों को हँसता देख मनु, खुद भी हँसो और सुख पाओ, अपने सुख को विस्तृत कर लो सबको सुखी बनाओ।"

अर्थात् रोशनी रूपी सुख का विस्तार समाज के सभी वर्गों जिसमें सुभेद्य वर्ग, गरीब, पर्यावरण आदि तक रोशनी का विस्तार हो तो गरीबी, असमानता, प्रदूषण जैसी समस्याओं से निदान पाकर सामाजिक न्याय एवं सतत् विकास

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

www.visionias.in

की मात्रा को प्राप्त किया जा सकता है।

यही विचार को हम जीवन के अन्य क्षेत्रों जैसे पर्यावरण, विज्ञान, स्वास्थ्य, देशी सम्बन्ध आदि में भी देखे जा पाते है कि विश्व व्यापार संगठन, जी-20, विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं संयुक्त राष्ट्र संघ जैसे संगठन विश्व की आधुनिककी समस्याओं चाहे वह वैश्विक मंदी हो या व्यापारिक संरक्षणवाद या गृहयुद्ध आदि को के समाधान में विश्व व्यवस्था निरन्तर प्रयासरत है जिसके पीछे दार्शनिकी सकारात्मकता एवं सुंदर विश्व के निर्माण का

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

VisionIAS

अपना कार्यरत है जिसको हम बुद्ध से लेकर गाँधी के विचारों रूपी सकारात्मक, सुधारात्मक रोशनी मे देख सकते है जिसने न केवल भारतीय परिदृश्य पर अंधकार को समाप्त करने का कार्य किया बल्कि मानव को प्रेरणा दि कि वह भिन्न पथ का अनुसरण करे जिसे एक कवि ने दिखलाया है जैसाकि –

"सुखभाग न नर का सम हो तबतक जबतक, न किसी को बहुत अधिक हो न किसी को कम हो।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

www.visionias.in

VisionIAS

को ~~[illegible]~~ (तर्क) → विज्ञान +
→ Facts

खतरनाक

कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

Bad side

" विश्व युद्ध II — हिटलर का यहूदियों के खिलाफ तर्कविहीन नीति → विश्व का लहूलुहान → स्वयं आत्महत्या "

कोरा तर्कपूर्ण → बिना तर्क के ? — असत्य / कुंठित / समस्या

सामाजिक → जाति, रूढ़िवाद
→ महिला
शिक्षा — तर्कविहीन
स्वास्थ्य → COVID-19

तर्कपूर्ण मन —— चाकू के समान

पुराने विकसित, मुख्यत:

टूटे हुए व्यस्क की मरम्मत करने के तुलना में नये ... विकसित करना आसान है।

- किसान
- गांधी
- pm मोदी

नया धर्म

नई धारणाएँ ← धार्मिक

सामाजिक → सामाजिक चिंता — जाति, वर्ग / लिंग → नया प्रयास

→ स्वास्थ्य & शिक्षा — नये मुख्यत: zero से

↓ कमियां

Infra निर्माण

मंदी ← आर्थिक → वैश्विक अर्थव्यवस्था?

उत्पादन

Repair — New बनाना ↓ समाधान?

राजनीतिक — लोकतंत्र → खामियां → नई व्यवस्था

विदेश नीति — संगठन विफल → सार्क → नया संगठन

संरक्षण ← पर्यावरण / स्थायित्व

वैश्विक अर्थव्यवस्था के आधार पे शोषण

विज्ञान & तकनीक — space mission — fail! — चन्द्रयान-2 — चन्द्रयान-3?

→ नये अध्ययन

Railway — यातायात

सड़क — परम्परा साधन

नए हो व नियम ...

... → वैश्विक अर्थव्यवस्था

→ टूटा व्यस्क → क्या करें → प्रयत्न करेगा → दायित्व

→ सामान्य

Conclusion — सुझाव ← पुराने की मरम्मत / नये का विकल्प

VisionIAS

"नर हो न निराश करो मन" — जो देखना चाहते, सकारात्मक, अच्छाईयां

SPACE FOR ROUGH WORK

अपना चेहरा (रोशनी) की ओर रखिए और कोई (छाया) दिखाई नहीं देगी।

नकारात्मक, समस्या, बुराईयां

"औरों को देखना"

मन व जनता का नर का समूह ... या किसी को कम ले नर ... [illegible]

सबल

प्रत्यक्ष

(सामाजिक) → मातृत्व, पितृत्व, सौंदर्य

(सामाजिक) → लैंगिक असमानता

नागरिकता → शिक्षा, स्वास्थ्य, इत्यादि

(आर्थिक) → PCR - 1.96

→ 3rd Largest Econ

(राजनीतिक) → लोकतंत्र

→ प्रत्यक्ष मताधिकार

(विज्ञान) — ISRO मिशन

COVID - vaccine

(आपदा) — बचाव कार्य, पुनर्निर्माण

(पर्यावरण) → जल संरक्षण

→ वनरोपण

(गाँधीजी) — समस्याएं ENM और सकारात्मकता

(बुद्ध) → समाज उत्थान

(विवेकानंद) — [illegible]

(महिला) — [illegible]

(युद्ध) के बाद पुनर्निर्माण यूरोप

[illegible] न नर का [illegible] ही जब तक तब तक न [illegible] को कुछ अधिक ये न [illegible] कर दें।

VisionIAS